RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2018-2020

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 1 | लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2019 से 5 अगस्त 2019 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

सम्पादक की कलम से ...

मेरे फोटोग्राफर साथियो,

साथियो स्टूडियो न्यूज़ के जुलाई 2019 अंक के साथ हम आपके समक्ष हैं। हम आप लोगों के सहयोग से तीसरे वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। आप सभी साथियों का जो सहयोग हमें विगत 2 वर्षों में हमें प्राप्त हुआ है, आशा है आगे भी ऐसा ही सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा। हमारी पूरी टीम ने बहुत मेहनत के साथ फोटोग्राफी से सम्बंधित नयी जानकारी एवं नए बदलावों को आपके समक्ष रखने की कोशिश की है। हम आने वाले समय में फोटोग्राफी से सम्बंधित नयी जानकारी एवं ट्रेंड को आप तक पहुंचते रहेंगे।

इस अंक में हमने फोटोग्राफी से सम्बंधित लेटेस्ट न्यूज़, कैमरा रिव्यु, फैशन फोटोग्राफी के बारे में, पोर्ट्रेट फोटोग्राफी में फोकल लेंथ के बारे में, फोटोग्राफी महान विभूति एन. थियागराजन के बारे में, नए पुराने कैमरों के संग्रहालय के विषय में, फोटोग्राफी में जारी हुए डाक टिकटों के बारे में तथा स्मार्टफोन किस तरह फोटोग्राफी में अपना विशेष महत्व रख रहा है इन सब विषयों को हमने इस माह में सम्मलित किया है।

आपने कभी महसूस किया है कि फोटोग्राफी की दुनिया घूमती रहती है। तकनीक कितनी तेजी से विकसित होती है और फोटोग्राफी के रूझान में बदलाव आता है। अगर हम बदलाव की बात करें तो सबसे अधिक पिछले दशक में वीडियो प्रौद्योगिकी में व्यापक बदलाव देखे गए हैं। स्टैण्डर्ड डेफिनेशन से हाई डेफिनेशन वीडियो में आ गए तथा 4K अब आम है, और जल्द ही हम 6K और 8K में चले जाएंगे। वीडियो में इतना तेज़ी से बदलाव आने का मुख्य कारण सोशल मीडिया हो सकता है, आज हर व्यक्ति सोशल मीडिया में कुछ अलग करना चाह रहा है, कुछ समय तक वो फोटो से काम चलता था, जब से इंटरनेट की स्पीड में इजाफा हुआ है तथा सस्ते में डाटा की उपलब्धता हुई है तो वो वीडियो को प्राथमिकता देने लगा है। संभावना है कि निकट भविष्य में, स्टिल फोटोग्राफी और वीडियो फोटोग्राफी के बीच का अंतर धुंधला हो जाएगा। स्टिल फोटोग्राफ, वीडियो से निकले जा सकेंगे तथा उनकी गुणवत्ता उत्कृष्ट होगी। महत्वपूर्ण बदलाव और जो देखने को मिल सकता है वो है कैमरे में फिंगरप्रिंट सेंसर। फोटोजर्नलिस्ट, स्टूडियो फोटोग्राफर्स, मीडिया हाउस और वेडिंग फोटोग्राफी टीमों के लिए, कई उपयोगकर्ता अलग-अलग समय में एक ही कैमरा साझा करते हैं। हर उपयोगकर्ता की अपनी पसंद है। एक्सपोज़र सेटिंग, फ़ोकस या रंग सेटिंग्स आदि अपने तरह की हों, इसके लिए फिंगरप्रिंट सेंसर आ सकते हैं। जैसे कंप्यूटर में अलग-अलग उपयोगकर्ता सेटिंग्स होती है, जहाँ एक विशेष उपयोगकर्ता अपनी वरीयताओं को एक फिंगरप्रिंट सेंसर के साथ लॉग-इन कर सकता है, उपयोगकर्ता के फिंगरप्रिंट को स्कैन कर सकता है और वर्तमान सेटिंग्स को तुरंत बदल सकता है। इसी तरह कैमरे में भी फिंगरप्रिंट सेंसर के द्वारा जिसका फिंगरप्रिंट होगा, उसकी सेटिंग कैमरे पर उपलब्ध हो जाएगी। फिंगरप्रिंट सेंसर के साथ, कोई यह भी सुनिश्चित कर सकता है कि कैमरा गलत हाथों में नहीं पड़ेगा और इसे चोरी होने और उपयोग करने से रोक देगा।

उद्योग में क्या चल रहा है, इस पर बने रहना प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत हो सकता है, हो सकता है कि आपको उन नई रचनात्मक अवधारणाओं से भी परिचित कराए, जिनके बारे में आपने पहले कभी नहीं जाना या आजमाया। इस अंक में इतना ही, अगले अंक में नए विषयों के साथ।

सुरेंदर सिंह बिष्ट
सम्पादक

2019 नेशनल जियोग्राफिक ट्रैवल फोटोग्राफर ऑफ द ईयर का विजेता वीनिम चू

नेशनल जियोग्राफिक ने इस वर्ष के ट्रैवल फोटोग्राफर ऑफ द ईयर प्रतियोगिता का ग्रैंड प्राइज़ विजेता के नाम की घोषणा की। फोटोग्राफर वीमिन चू ने इस पुरस्कार को अपने नाम किया है, साथ ही ग्रीनलैंड के छोटे से मछुआरे गांव की तस्वीर खींचकर उन्होंने शहरों की कैटेगरी में भी प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया।

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

टैमरॉन का नया एसपी 35एमएम एफ 1.4 इसका अब तक का बेहतरीन लेंस

टैमरॉन ने अपने नए लेंस की जानकारी देते हुए यह दावा किया है कि यह अब तक का बेहतरीन लेंस है। इसमें 10 ग्रुप में 14 एलिमेंट्स हैं। जिसमें चार एलडी (लो डिस्पर्जन) और तीन जीएम (ग्लास मॉडिफाइड एस्फिरिकल) लेंस एलिमेंट हैं। यह पूरे फ्रेम में चारों ओर हाई रिज्यॉल्यूशन देगा और खूबसूरत बैकग्राउंड बुके भी।

कैनन का नया पिक्समा (PIXMA) जी5020, जी6020 मेगा टैंक प्रिंटर्स

कैनन ने PIXMA जी सीरीज़ और मेगा टैंक प्रोडक्ट लाइन में अपने दो नए प्रिंटर मॉडल का अवलोकन किया है- PIXMA G5020 मेगा टैंक सिंगल फंक्शन प्रिंटर और PIXMA G6020 ऑल इन वन प्रिंटर। दोनों में ही लगातार इंक सप्लाई की सुविधा होने के साथ-साथ ऑटोमैटिक दो तरफ की ओर से प्रिंटिंग, तेज प्रिंटिंग स्पीड और अन्य फीचर्स भी हैं।

सोनी के 200-600mm f 5.6-6.3 G OSS और 600mm f 4 GM OSSS लेंस

सोनी ने अपने सुपर टेलिफोटो लेंस के जोड़े को रिलीज किया है-एफई 200-600 एफ5.6-6.3 जी ओएसएस जूम और एफई 600एमएम एफ4 जीएम ओएसएस प्राइम। दोनों ही अगस्त में उपलब्ध होंगे।

मिररलेस कैमरा 7 आर्टिसन 60एमएम एफ2.8 एपीएस-सी मैक्रो लेंस

चाइनीज़ कंपनी 7 आर्टिसन ने लॉन्च किया 60एमएम एफ2.8 एपीएस-सी मैक्रो लेंस। इस नए मैनुअल फोकल लेंथ में न्यूनतम 26सीएम (10 इंच) फोकसिंग दूरी, एफ2.8 से एफ16 अपर्चर, 7 ग्रुप में 8 एलिमेंट, 39एमएम का फिल्टर साइज, डी-क्लिक अपर्चर रिंग और 550 ग्राम वजन है।

एमएस ऑप्टिक्स लाया नया वैरियोप्रासमा 50mm f/1.5 ISM 50mm f1.0 लीका एम लेंस

एमएस ऑप्टिक्स, जिसका निर्माता जापान से है, ने लीका एम-माउंट कैमरा के लिए दो नए लेंस रिलीज किए- वैरियोप्राजमा 50एमएम एफ1.5 और आइएसएम 50 एमएमएफ 1.0। नया वैरियो प्राजमा लेंस को कीनो प्लासमैट का "मॉर्डन इंटरप्रिटेशन" कहा गया। जबकि आइएसएम 50एमएम एफ1.0 अल्ट्रा तेज लेंस जो कि छोटी और हल्की है।

फूजीफिल्म इंस्टैक्स मिनी मॉडल ली प्ले

फूजीफिल्म का अगला इंस्टैक्स मिनी मॉडल के पास है 5एमपी सेंसर, जो कि इमेज को मेमोरी कार्ड में सेव करता है और यूजर को दस सेकेंड का ऑडियो रिकॉर्ड करने की अनुमति देता है जो कि तब चलाया जा सके जब प्रिंटिड पिक्चर को देखा जाए। इंस्टैक्स मिनी लीप्ले अब तका का फूजीफिल्म का सबसे छोटा और हल्का इंस्टैक्स है, यह सामान्य क्रेडिट कार्ड के आकार का प्रिंट निकालता है और क्यूआर कोड प्रिंट करने में सक्षम है जो कि पिक्चर के साथ चलने वाले ऑडियो से लिंक हो जाता है।

शोधकर्ताओं ने वाइड एंगल लेंस के लिए विकसित किया एंटी-फेस-डिस्टॉर्शन तरीका

यदि आप किसी ग्रुप फोटो में कोने में हैं और वह फोटो वाइड एंगल लेंस से ली गई तो आप पाएंगे कि फोटो में कुछ अजीब सा खिंचाव होगा जो कि आपका चेहरा बिगाड़ रहा होगा। शोधकर्ताओं ने नया सॉफ्टवेयर बनाया है जो कि वाइड एंगल से ली गई फोटो से खुदबखुद ऐसी विकृतियों को ठीक कर सकेगा। सबसे अच्छी बात है कि इस प्रकिया में फोटो के अन्य भाग पर असर नहीं पड़ेगा।

डिस्टॉर्शन फ्री वाइड एंगल पोर्ट्रेट ऑन कैमरा फोन नामक शीर्षक में शोधकर्ताओं के एक समूह ने यीचैंग शिह के नेतृत्व में गूगल और एमआइटी में नया एलगॉरिदम का परिचय कराया-डिस्टॉर्शन फ्री वाइड एंगल पोर्ट्रेट शॉट कैमरा फोन द्वारा।

लेंसबेबी OMNI क्रिएटिव फिल्टर सिस्टम इन कैमरा इमेज इफेक्ट के लिए "इफेक्ट वैंड" का प्रयोग करता है

लेंसबेबी ने OMNI क्रिएटिव फिल्टर सिस्टम के लिए लॉन्च किए प्री ऑर्डर। यह ऐसी किट है जिसमें इसके लेंस के लिए स्क्रू ऑन फिल्टर रिंग है साथ ही इफेक्ट वैंड भी जो कि चुंबक की तरह लेंस के सामने रिंग पर चिपक जाती है। हर इफेक्ट वैंड को इन कैमरा फोटो इफेक्ट क्रिएट करने के लिए डिजाइन किया गया है जो कि एप फिल्टर के जैसा है। लेकिन कंट्रोल और दोहराने की मजबूत क्षमता के साथ।

ओलंपस ने 40-150 एमएम एफ 2.8 और 300 एमएम एफ 4प्रो लेंस के लिए 2× टेलीकन्वर्टर की घोषणा की

ओलंपस ने 2× टेलीकन्वर्टर की घोषणा की है, एमसी-20 जो कि अंडर डेवलेप 150-400एमएमएफ4.5 टीसी1 25× आइएस प्रो के साथ कंपनी के 40-150 एफ 2.8 और 300 एमएम एफ4 आइएस प्रो लेंस के कंपैटिबल है।

दुनिया का पहला सोनी ई से निकॉन जेड एएफ लेंस अडैप्टर है टेकार्ट टीजेडई-01

चाइना का एसेसरी मेकर टेकार्ट ने सोनी ई माउंट लेंस निकॉन जेड सीरीज कैमरे के लिए अपने पहले ऑटोफोकस अडैप्टर टीजेडई-01 की घोषणा की है।

टेकार्ट के मुताबिक निकॉन जेड माउंट फ्लैंज की दूरी सोनी ई माउंट से मात्र दो एमएम की होने के कारण अडैप्टर का डिजाइन थोड़ा कठिन था।

टेकार्ट टीजेडई-01 में अडैप्टर के दोनों ओर है इलेक्टॉनिक कनेक्टर और उनके बीच पीसीबी। इससे दोनों सोनी ई माउंट ऑटो अपर्चर और ऑटो फोकस लेंस को इस्तेमाल करना तब भी मुमकिन है जब आप निकॉन जेड का फेस व आइ डिटेक्शन मोड प्रयोग कर रहे हो।

एप्पल स्मार्टवॉच पेटेंट ला सकता है बिल्ट इन कैमरे वाला एप्पल वॉच मॉडल

यूनाइटेड स्टेट पेटेंट और ट्रेडमार्क ऑफिस (यूएसपीटीओ) ने प्रकाशित एप्पल पेटेंट में विस्तृत रूप से भविष्य के एप्पल वॉच मॉडल में कैमरा लगाने का तरीका बताया। कैमरा मॉड्यूल को स्मार्टवॉच बॉडी में पैक करने के बजाए एप्पल ने डिजाइन किया है नया तरीका जिसमें कलाई के पट्टे में कैमरा लगाया जाए।

पेटेंट की तस्वीरों के मुताबिक, एप्पल ने एक स्मार्टवॉच कैमरा का तरीका निकाला है जो कि जब काम में नहीं आएगा तो आसानी से नहीं दिखेगा। इमेज कैप्चर करने के लिए उपयोगकर्ता को कैमरा युक्त पट्टे को इतना बढ़ाना होगा कि आसानी से किसी भी एंगल से सेल्फी ली जा सके।

कैनन पेटेंट में है ट्रिपल इमेज स्टैबलाइजेशन सिस्टम लो लाइट वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए

कैनन ने एक तरीका पेटेंट कराया है लंबे एक्सपोजर के दौरान अपने डुअल आइएस सिस्टम को सुधारने के लिए। यह पेटेंट ट्रिपल आइएस के आइडिया को स्पष्ट करता है जो कि इन बॉडी इमेज स्टैबलाइजेशन का प्रयोग करता है।

वर्तमान में कैनन ऑप्टिकल (लेंस आधारित) स्टैबलाइजेशन का प्रयोग धीमा, तेज, इत्यादि रफ्तार को कंपनसेट करने के लिए कर रहा है। उदाहरण के तौर पर, वाहन का चलना, तेजी से हाथ मिलाना आदि। इसके बाद यह कम फ्रीक्वेंसी के लिए इलेक्ट्रानिक स्टैबलाइज़ेशन का प्रयोग करता है।

सोनी ई माउंट के लिए टैमरॉन 17-28 एमएम एफ2.8 जुलाई में आएगा

टैमरॉन ने फुल फ्रेम सोनी मिररलेस कैमरे के लिए अपने 17-28 एमएम एफ2.8 डीआइ III आरएक्सडी लेंस की कीमत की घोषणा की है।

17-28 को टैमरॉन के बेहतरीन 28-75एमएम लेंस का आदर्श साथी कहा जा रहा है। यह वाइड एंगल रेंज का बढ़ना ही है। 17-28 की लंबाई 9सेमी (3.9") और वजन में 420 ग्राम है। लेंस के सील के कारण यह धूल और पानी से बचा हुआ है।

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 1 | लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2019 से 5 अगस्त 2019 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

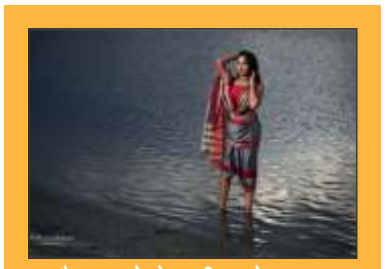

फैशन फोटोग्राफी - पेज 4-5

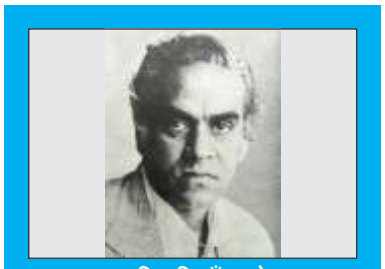

महान विभूतियाँ - पेज 7

पोट्रेट फोटोग्राफी - पेज 8-9

कैमरा संग्रह - पेज 10-11

स्मार्टफोन फोटोग्राफी - पेज 13

LUMIX DC-S1 : डिजिटल सिंगल लेंस मिररलेस कैमरा

पैनासॉनिक LUMIX DC-S1 कंपनी का मध्य स्तर फुल फ्रेम मिररलेस कैमरा है। यह Leica द्वारा विकसित L माउंट पर बना है और अब सिग्मा व पैनासॉनिक भी इसे सपोर्ट करते हैं। इसमें इमेज स्टैबलाइज्ड 24MP सेंसर है और 9 फ्रेम प्रति सेकेंड तक शूट करने की क्षमता है। S1 अपने APS-C रीजन से 4K/60p वीडियो शूट कर सकता है। हाई रिज्यॉल्यूशन मल्टी शॉट से 96MP रॉ फाइल क्रिएट होती हैं तथा 10 बिट V-Log शूटिंग होती है।

हाइब्रिड : स्टिल और वीडियो के जबरदस्त पैशन के लिए

नया 24.2MP CMOS सेंसर बेहतरीन विस्तृत जानकारी देता है। नो टाइम लिमिट के साथ 4K वीडियो रिकॉर्डिंग प्रोफेशनल स्तर की वीडियो प्रदर्शन के लिए उम्दा है (4K 60p ISO p में अधिकतम रिकॉर्डिंग समय 60 मिनट)।

यह फुल फ्रेम मिररलेस कैमरा उन इमेज क्रिएशन के लिए लाजवाब है जो वाकई जुनूनी हैं। यह उन सभी दीवारों के पार जाते हैं जो अब तक स्टिल व वीडियो के लिए बनी हुई थीं।

24.2MP CMOS सेंसर :

वृहद सेंसिटिविटी व इमेज क्वालिटी

आप स्टिल फोटोग्राफ शूट कर रहे हैं या वीडियो बना रहे हैं, LUMIX S1 आपको देता है वाकई लाजवाब इमेज क्वालिटी किसी भी कॉम्प्रोमाइज के बिना। प्रति पिक्सल लाइट देने से 24.2MP CMOS सेंसर देता है वाइड डायनामिक रेंज तथा शार्प, नैचुरल एक्सप्रेशन हाई सेंसिटिविटी सेटिंग पर भी। वीनस इंजन से कैमरा देता है अधिकतम सेंसिटिविटी ISO 512000 पर। प्रोफेशनल फोटोग्राफर व वीडियोग्राफर अल्ट्रा हाई इमेज क्वालिटी के साथ इस अल्ट्रा हाई सेंसिटिविटी प्रदर्शन के कॉम्बिनेशन को निश्चित ही पसंद करेंगे।

वीनस इंजन

CMOS सेंसर खूबसूरत वीनस इंजन के साथ मिलकर देता है अलग और बेहद खास कलर डीटेल और प्राकृतिक टेक्सचर एक्सप्रेशन। मल्टीपिक्सल ल्युमिनेंस जेनरेशन व इंटेलिजेंट डीटेल प्रोसेसिंग देते हैं गहरी ब्राइटनेस व कंट्रास्ट।

5 एक्सिस डुअल I.S. 2 : साफ कैप्चर

कई बार कैमरे को हाथ में थामना मुश्किल हो जाता है। परेशान होने की जरूरत नहीं। 5 एक्सिस डुअल I.S. 2 (इमेज स्टैबलाइजर) कंपनसेशन आपकी इस समस्या के लिए हाजिर है। यह एक्सपोजर के समय के छह गुने के बराबर है। इसका मतलब है कि आप छह स्टॉप धीमी शटर स्पीड टेली एंड तक प्रयोग कर सकते हैं।

टेलीफोटो सेटिंग पर भी LUMIX S1 बॉडी व लेंस से शेक हटाता है। यह 4K वीडियो समेत दोनों फोटो व वीडियो रिकॉर्डिंग में काम करता है। 5.5 स्टॉप कंपनसेशन क्षमता के साथ 5 एक्सिस बॉडी I.S. की ताकत ऐसी है कि यह सभी लेंस के लिए शेक को दुरूस्त करता है, उनके लिए भी जो O.I.S. से लैस नहीं हैं।

4K60p वीडियो रिकॉर्डिंग

पैनासॉनिक की 4K तकनीक, नया CMOS सेंसर और नए वीनस इंजन तीनों मिलकर 4K 60p वीडियो (QFHD 4K : 3840 x 2160 MP4) फुल फ्रेम फॉर्मेट में देते हैं (4K 60p में अधिकतम रिकॉर्डिंग समय 29 मिनट 59 सेकेंड)। शुक्र है विकसित व आधुनिक तकनीकों का, तेजी से चलने वाले सीन भी नैचुरल लगते हैं।

LUMIX S1 इस तरह से डिजाइन किया गया है कि नो टाइम लिमिट में 4K 30p/24p व फुल एचडी रिकॉर्डिंग दोनों ही संभव हैं।

विस्तृत समय में रिकॉर्ड करने की क्षमता जैसे कि नो कट डॉक्यूमेंट्री, इत्यादि के कारण यह कैमरा प्रोफेशनल यूजर्स की पहली पसंद बना हुआ है।

4:2:2 10-बिट इंटरनल रिकॉर्डिंग (वैकल्पिक)

प्रोफेशनल फोटो/वीडियोग्राफर्स की जरूरतों को देखते हुए LUMIX S1 आपको देगा 4K 30p/24p 4:2:2 10-बिट इंटरनल वीडियो रिकॉर्डिंग, 4:2:2 10 bit 4K 60p एचडीएमआइ लाइव आउटपुट व V-Log के साथ सॉफ्टवेयर अपग्रेड की (जो कि अलग से बिकती है)।

बेहतरीन कलर प्रोफाइल के साथ 4:2:2 10-बिट वीडियो एक रिकॉर्डिंग फॉर्मेट है जिसमें लगभग 128 बार 4:2:0 8-बिट पर डाटा वॉल्यूम है और यह सक्षम है एक अरब से भी अधिक रंग बनाने में।

इसका अधिक कलर डाटा पोस्ट प्रोडक्शन में काफी काम आता है। इससे रंग एडजस्ट होता है व दोपहर के दृश्य रात में परिवर्तित किए जा सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, 4K 30p/24p वीडियो 1.0× और फुल पिक्सल रीडआउट क्रॉप फैक्टर से शूट किए जा सकते हैं।

पहचानने की आधुनिक तकनीक

पैनसॉनिक की आधुनिक तकनीक सेंसर, इंजन व लेंस पर कंट्रोल देती है। इससे स्पीड तो तेज मिलती ही है साथ ही हर एंगल पर हाई प्रिसिजन फोकस भी मिलता है।

480 एफपीएस की सुपर फास्ट सेंसर लेंस कम्यूनिकेशन और पैनासॉनिक की DFD (डेप्थ फ्रॉम डीफोकस) तकनीक से स्पीड हाई होती है।

इसके अलावा, लो लाइट ऑटोफोकस -6EV पर प्रदर्शन करता है जो कि काबिले तारीफ है। आधुनिक AI तकनीक न केवल

इंसानी शरीर को पहचान लेती है बल्कि चिड़ियों जैसे वन्यजीवों को भी पहचानने में सक्षम है। हाई परफॉर्मेंस ट्रैकिंग सिस्टम सब्जेक्ट को हर वक्त फोकस रखने में सहायक है।

5,760k-डॉट रिज्यॉल्यूशन रियल व्यू फाइंडर

विश्व के सबसे अधिक रिज्यॉल्यूशन 5760 डॉट्स के साथ रियल व्यू फाइंडर विशालतम है। इसकी क्लैरिटी व शार्पनेस इतनी लाजवाब है कि ऐसा लगता है कि आप सब्जेक्ट को अपनी खुद की आंखों से प्रत्यक्ष रूप से देख रहे हैं। इससे शूट करने में एकाग्रता बढ़ती है। केंद्र में वह किनारों पर न्यूनतम डिस्टॉर्शन व 0.78× के तेज मैग्निफिकेशन के लिए बने लेंस के साथ रियल व्यू फाइंडर परफेक्ट फ्रेमिंग व हाई प्रिसिजन फोकसिंग दोनों को ही सपोर्ट करता है।

OLED डिस्प्ले देता है सबसे कम 0.005-सेकेंड का न्यूनतम लैग समय और अल्ट्रा हाई 120 एफपीएस रिफ्रेश रेट जो कि तेजी से चलने वाले सब्जेक्ट को व्यू करने में मदद करता है।

इसके अलावा, 0.78× मैग्निफिकेशन अनुपात शूटिंग परिस्थितियों के अनुसार 0.7× वत 0.74× बदला जा सकता है।

विपरीत व विभिन्न प्रकार के मौसम में भी सख्त बॉडी

मौसम चाहे कोई भी चाहे कैसा भी हो इसकी सख्त बॉडी विभिन्न प्रकार के माहौल में चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार है। मैग्नीजियम अलॉय फुल डाय कास्ट फ्रेम लंबा चलने वाला है, सीलिंग से डायल, बटन इत्यादि सुरक्षित हैं। कैमरा अपने आप में धूल से बचाव के तरीके हैं और इसका डिजाइन कुछ इस प्रकार है कि इसे -10°C के तापमान में आसानी से चलाया जा सके।

यह सभी फीचर्स मिलकर शूटिंग को मजेदार बनाते हैं हर प्रकार के मौसम में।

480 FPS AF CONTROL & DFD TECHNOLOGY

HUMAN BODY / ANIMAL RECOGNITION

क्या है फैशन फोटोग्राफी

फैशन फोटोग्राफी क्या है और इसके लिये क्या-क्या आवश्यक होता है। इसके बारे में बता रहे हैं जाने माने फोटोग्राफर

- आर. प्रसन्ना

फैशन फोटोग्राफी ... एक ऐसी शैली जहाँ आप फैशनेबल चीजें शूट करते हैं और वह शूट करते हैं जो कि स्टाइल में है।

केवल कपड़े ही नहीं, आभूषण, घड़ियां, परफ्यूम यहाँ तक कि लाइफस्टाइल संबंधी चीजों की फोटोग्राफी भी फैशन फोटोग्राफी में ही गिनी जाती हैं।

यह एक बेहद मजेदार करियर का विकल्प है जहाँ आप मशहूर शख्सियत से रूबरू हो सकते हैं और साथ ही बेहतरीन जगह जाने का अवसर भी मिल सकता है। यह करियर जितना ज्यादा डिमांड में है उतना ही ज्यादा मेहनत, टीम वर्क की भी जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी है स्मार्ट वर्क की।

मैंने एलेन सॉली, और रीटेल ब्रांड के लिए भी काम किया है, जैसे कि सीएमआरविज़ैग (cmrVizag), चंदनब्रदर्स, सरावना स्टोर्स, चेन्नई सिल्क, त्रिछे सराथस, इनके अलावा कई मशहूर डिजाइनर व मेकअप आर्टिस्ट आदि।

फैशन शूट किसी एक व्यक्ति की क्षमताओं पर नहीं बल्कि पूरी टीम की काबिलियत पर निर्भर करता है। इसमें मॉडल, फैशन स्टाइलिस्ट, मेकअप आर्टिस्ट, हेयर स्टाइलिस्ट, कॉस्ट्यूमर, साड़ी बांधने वाले, प्रोडक्शन डिजाइनर, सेट असिस्टेंट, प्रोडक्शन मैनेजर कुछ ऐसे लोग होते हैं जो कि फैशन शूट में शामिल हेते हैं और यह एक ऐसा जहाज है जिसका कैप्टन फोटोग्राफर है, क्योंकि शूट अंततः उसी को करना है।

इसलिए अच्छा फोटो शूट चाहिए तो अच्छी टीम भी उतनी ही जरूरी है। ऐसी टीम जिसे पहले से ही बता देना चाहिए कि फोटो शूट में क्या आवश्यक है और किस प्रकार से काम करने की जरूरत होगी। ताकि ऐन मौके पर किसी प्रकार की गलती न हो।

तीन प्रकार के फैशन शूट होते हैं-

एक एडिटोरियल फैशन जहाँ आप डिजाइनर का काम दिखाने के लिए मैगजीन व फैशन वेबसाइट के लिए शूट करते हैं। दूसरा एडवरटाइजिंग कैंपेन जो कि किसी कॉन्सेप्ट व त्योहार पर अधिक केंद्रित रहती है और तीसरा कैटेलॉग, यह ई-कॉमर्स व कपड़ों के ब्रोशर्स के लिए होती है।

बतौर फैशन फोटोग्राफर आपको पता होना चाहिए कि विभिन्न टेक्सचर को कैसे हैंडल करें। जैसे कि जींस के लिए लाइट देना अलग बात है और सिल्क साड़ी की लाइटिंग अलग है। सिल्क अधिक रिफ्लेक्टिव होती है। फैशन शूट के लिए क्लाइंट की जरूरत और टारगेट ऑडियंस को जानना बेहद जरूरी है।

तकनीकी आवश्यकता-

बड़े साइज प्रिंट के लिए हाई रिज्यॉल्यूशन सेंसर फुलफ्रेम कैमरा। मैं सोनी ए7आर मार्क III का प्रयोग करता हूँ। कम गुणवत्ता के जूम लेंस के मुकाबले अधिक गुणवत्ता के लेंस जैसे 50, 85,

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2019 से 5 अगस्त 2019

अच्छी तस्वीरों का संचयन करना दुनिया को अपनी बाँहों में समेट लेने जैसा रोमांच देता है। - सुसान सोतंग

24-70, 70-200 को तरजीह देना ठीक है। कम क्वालिटी के लेंस कई बार बड़े होर्डिंग के लिए ठीक नहीं होते।

लाइट- न्यूनतम 600 वॉट जब तक 1200 वॉट न हो जाए, चूंकि आपको फुल लेंथ शूट के लिए न्यूनतम एफ8 व उससे ऊपर चाहिए होगा इसलिए आउटडोर लोकेशन शूट के लिए बैट्री पैक ठीक रहते हैं।

फैशन फोटोग्राफी के लिए लाइट मीटर बहुत जरूरी है। मैं गोडॉक्स एडी600 प्रो, गोडॉक्स एडी400प्रो आदि फैशन शूट के लिए प्रयोग करता हूँ। सटीक रंग कैप्चर करने के लिए एड कैंपेन में कम आइएसओ जैसे कि 100 अधिक प्रयोग किया जाता है। इमेज की कमियाँ जैसे कि स्किन, झुर्रियों व कपड़े इत्यादि को ठीक करने के लिए प्रोस्ट प्रोडक्शन करना जरूरी होता है।

कुल मिलाकर वह इतना अच्छा दिखना चाहिए कि उसे लोग खरीद सकें।

कारीगरी

बात करने का हुनर और टीम वर्क बेहद जरूरी है। कभी भी खुद को बॉस समझ कर रोब झाड़ने की कोशिश न करें। छोटे स्तर की मैनेजिंग जितनी हो सके कम ही करें।

वेडिंग फोटोग्राफी में लाइटिंग व फैशन सेंस आकर्षक लेयर इमेज बनाने के भी काम आता है। मॉडल का कम्फर्ट किसी भी फैशन शूट के लिए जरूरी है। यदि पोज़ की अच्छी जानकारी हो तो इससे अच्छा और कुछ हो ही नहीं सकता।

साफ-साफ कम्यूनिकेशन जरूरी है और यदि मॉडल पोज़ देने में माहिर है तो समझिये आपका आधा काम हो गया।

फैशन फोटोग्राफी कैसे सीखें?

एक अच्छे फैशन फोटोग्राफर को असिस्ट करें और सीखें, जितना हो सके सीखें। अपने सर्वश्रेष्ठ कार्य से बेहतरीन पोर्टफोलियो बनाएं। ट्रेंड की जानकारी रखने के लिए फैशन मैगजीन नियमित पढ़ें और फैशन वेबसाइट्स देखते रहें।

यदि आप कोई इंस्टीट्यूट जाकर सीखना चाहते हैं तो प्रयास करें कि ऐसी जगह जाएँ जहाँ सिखाने वाला फैशन फोटोग्राफर फील्ड में एक्टिव हो, न कि रिटायर्ड फोटोग्राफर। कारण यह है कि ट्रेंड तेजी से बदलते हैं, जो कि आप एक्टिव फोटोग्राफर से ही सीख जाएंगे।

THE NEXT REVOLUTION IN PHOTOGRAPHY BUSINESS NETWORKING

PHOTO VIDEO ASIA

WED 25 | THU 26 | FRI 27

SEPTEMBER 2019

PRAGATI MAIDAN
NEW DELHI, INDIA

OUR HIGHLIGHTS

300+ EXHIBITORS

50+ INTERNATIONAL PARTICIPANTS

45000+ VISITORS

PRODUCTS 150000+

NATIONAL SUPPORTING ASSOCIATION 30+

INTERNATIONAL SUPPORTING ASSOCIATION 15+

STALL BOOKING & SPONSORSHIP

DINESH PUNJABI
+91 99789 00279
dp@aakarexhibition.com

JAY JOSHI
+91 85111 65063
jay.joshi@aakarexhibition.com

RAVI AHUJA
+91 99789 01084
raviaakar6789@gmail.com

HEENA MEHTA
+91 98989 49393
heena@aakarexhibition.com

Workshop by Eminent Faculties

Display of Photographs of Eyewin Awards

ORGANISED BY
AAKAR EXHIBITION
AAKAR EXHIBITION PVT. LTD.

SUPPORTED BY
AIFPA ALL INDIA FEDERATION OF PHOTOGRAPHY ASSOCIATION
UAPP UNITED ASIA PROFESSIONAL PHOTOGRAPHY ASSOCIATION
EYEWIN AWARDS

MEDIA PARTNER
Smart PHOTOGRAPHY
Better Photography

E-mail : photovideoasia@aakarexhibition.com
web : www.photovideoasia.com

For Free Entry Give Miss Call On
90150 32754

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2019 से 5 अगस्त 2019

जिस प्रकार आप अपनी आस-पास की चीज़ों को जितना ज्यादा काबू में करते जाते हैं, दुनिया का रोमांच उतना ही काम होता जाता है, उसी प्रकार स्वच्छंदता के बिना फोटोग्राफी मृत है। - लैरी सुल्तान

महान विभूतियाँ

एन. थियागराजन
(1933 - 2008)

एन. थियागराजन

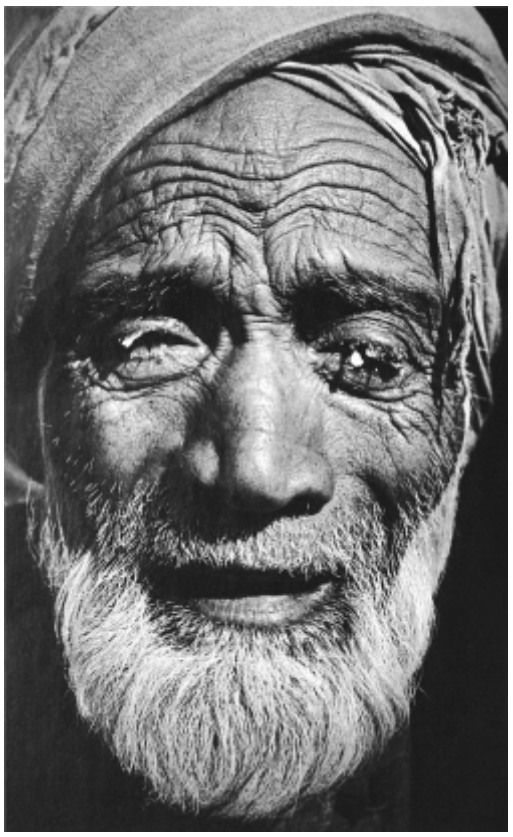

जिस दौर में भारत ब्रिटिश हुकूमत के तले था उस दौर में उनका जन्म हुआ, सन 1933 में। खेतीबाड़ी सम्बधिंत कार्य में कुछ समय बिताने के बाद उन्होंने 1952 में फोटोग्राफी को आपना कार्यक्षेत्र बनाया। खुद को पिक्टोरियल फोटोजर्नलिस्ट की पदवी से नवाजने वाले वह एक बेहतरीन फोटोजर्नलिस्ट और फोटोग्राफर थे।

उन्होंने "द हिंदू" और "स्पोर्ट्स एंड पास्टटाइम" में 1954 से 1960 तक दिल्ली में काम किया। 1960 से 63 तक वे "हिंदुस्तान टाइम्स" में कार्यरत थे। 1963 से 68 तक "टाइम्स ऑफ इंडिया" में व इसके बाद 1968 में उन्होंने चीफ फोटोग्राफर की पोस्ट पर दोबारा "हिंदुस्तान टाइम्स" ज्वाइन किया और यहीं से रिटायर हुए। सब्जेक्ट, कंपोजिशन, विजुअलाइजेशन आदि की बात करें तो उनकी फोटोजर्नलिस्टिक फोटोग्राफ में पिक्टोरियल क्वालिटी होने के कारण उन्हें पिक्टोरियल फोटोजर्नलिस्ट कहा गया।

वर्ष 2002 से 2004 तक वह प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य थे। तब वह फील्ड में बतौर प्रैक्टिसिंग फोटोजर्नलिस्ट थे। इसके बाद वह फोटो एडिटर बने और बतौर फोटो एडिटर एन. थियागराजन ने अपना नाम कमाया।

विश्व की कई प्रसिद्ध राजनीतिक हस्तियों की उन्होंने फोटो खींची, इनमें फिदल कास्त्रो, इंदिरा गांधी व जवाहरलाल नेहरू भी शामिल हैं। उन्होंने बांग्लादेश में 1971 की लड़ाई भी कवर की जहां किशोर पारेख व रघु राय भी शामिल थे। भोपाल गैस त्रासदी भी कवर की।

उनकी अति प्रसिद्ध तस्वीर 'फेस ऑफ भोपाल ट्रैजिडी' जिसे यहाँ प्रकाशित किया जा रहा है। इसमें दिखाया गया कि एक मुस्लिम व्यक्ति व कई हजार लोगों ने इस त्रासदी के कारण आपनी आंखें खो दी।

भारत-पाकिस्तान, प्राकृतिक आपदाएं, पंजाब समस्या, एशियन गेम्स इत्यादि जैसे बड़े इवेंट उन्होंने कवर किए।

उन दिनों खेल कवर करना कठिन था। उस दौरान बड़े टेलीफोटो और वाइड एंगल लेंस नहीं होते थे। थियागराजन अकसर ये लेंसेज होमई व्यारावाला से उधार ले लेते थे। होमई पहली भारतीय महिला फोटोजर्नलिस्ट थी जो कि एन. थियागराजन के घर के पास ही रहती थीं।

वर्ष 1959 में, जब दलाई लामा भारत आए तब वे जीडी बिड़ला के साथ मसूरी में रूके थे। थियागराजन को उस वक्त दलाई लामा, नेहरू व बिड़ला की एक्सक्लूसिव फोटो क्लिक करने का मौका मिला था। यह तस्वीर द हिंदू में प्रकाशित हुई थी। जीडी बिड़ला सोच में पड़ गए कि इतनी एक्सक्लूसिव फोटो उनके अपने ही अखबार हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने थियागराजन को बुलाकर सन 1960 में हिंदुस्तान टाइम्स में नौकरी ऑफर की।

थियागराजन की खासियत यही थी। वह संसाधनों की कमी जैसे फुजूल के बहाने नहीं बनाते थे। एक बार थियागराजन का अपना निकॉन एफ व टेलीफोटो लेंस बांग्लादेश में खो गया। उन्होंने पूरी लड़ाई रोलीफ्लैक्य और एक लेंस से कवर किया। बड़े शॉट को क्रॉप करने के लिए उन्होंने एनलार्जर का प्रयोग किया, ड्रामाटिक पिक्चर क्रिएट की ताकि ऐसा लगे कि वे अलग फोकल लेंथ के लेंस में ली गई हैं।

अपने गजब के सेंस ऑफ ह्यूमर के साथ अपने विभिन्न जज्बे को आगे बढ़ाते वह कई वर्षों से अपने मयूर विहार के घर में रहे। यहां उन्होंने नए फोटोग्राफर्स की मदद की। उनकी समस्याएं सुनी वह अपने अनुभवों के अनुसार उनकी सहायता की।

कई बार उन्हें यह चिंता सताती कि उनके जैसे फोटोग्राफर्स के कार्य कैसे संरक्षित किए जाएंगे। थियागराजन को जब एक हार्ट अटैक हुआ तो तो उन्हें लगा कि उनके प्रिंट्स का ख्याल नहीं रखा जा पाएगा। इसलिए उन्होंने वर्ष 1992 में एक प्रदर्शनी के बाद अपने सारे प्रिंट सोनिया गांधी को सौंप दिए। कुछ समय के लिए वह इंडिया इंटरनेशनल फोटोग्राफिक काउंसिल (आइआइपीसी) से भी जुड़े रहे।

24 फरवरी 2008 को भारत ने अपना सबसे होनहार फोटोजर्नलिस्ट-एन थियागराजन को हमेशा के लिए खो दिया।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC, (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

पोट्रेट फोटोग्राफी में फोकल लेंथ की महत्ता

मुकेश श्रीवास्तव
FIE, FFIP, EFIAP

इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक,
पूर्व निदेशक (ई), भारत सरकार
निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स
निकॉन मेण्टर (2015-2017)
एवं अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब

खूबसूरत पोट्रेट बनाने में लेंस की बड़ी भूमिका होती है। यूं तो कोई सही या गलत लेंस नहीं होता, लेकिन सबसे अधिक निर्भर करता है सब्जेक्ट व लोकेशन पर।

मैंने अपनी फोटोग्राफी वर्कशॉप से एक दिलचस्प चीज सीखी है, वह है कि वाइड एंगल पोट्रेट के लिए नहीं बने हैं। वैसे तो आप एक्सपेरिमेंट कर वाइड फोकल लेंथ से लोगों की फोटोग्राफ ले सकते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि वह तस्वीरें थोड़ी विकृत लगेंगी।

छोटे फोकल लेंथ के लेंस चेहरे को पतला दिखाते हैं, जबकि 50 एमएम से ज्यादा के लेंस से चेहरा अधिक विकृत दिखता है।

यह आपको शायद पहले से पता होगा कि 85 एमएम लेंस पोट्रेट शूट करने के लिए सटीक माने जाते हैं, यदि आप फुल फ्रेम कैमरा इस्तेमाल कर रहे हैं। 105 एमएम व 135 एमएम फोकल लेंथ भी पोट्रेट के लिए ठीक है। फोकल लेंथ जितनी लंबी होगी, उतनी ही ज्यादा कंप्रेस भी होगी और पोट्रेट वास्तविक आएगा।

इसकी तुलना करने के लिए मैंने आउटडोर इमेज शूट की। मॉडल पर परछाई को भरने के लिए ऑक्टा सॉफ्टबॉक्स प्रयोग किया।

कैमरा मैनुअल मोड पर सेट किया और बैकग्राउंड का एक्सपोजर एफ/8, एस-1/250, आइएसओ-125 रखा।

फोकल लेंथ में हर बदलाव करने के लिए मैंने फ्रेम एक ही रखा और उसे सब्जेक्ट के पास व दूर घुमाता रहा।

फुल फ्रेम डीएसएलआर निकॉन डी800ई का इस्तेमाल किया। 16एमएम, 24एमएम व 35 एमएम से कंटेंट शूट के लिए निक्कॉर 16-35एमएम यूज़ किया।

निक्कॉर 50 एमएम का प्रयोग किया एफ/1.4 फोकल लेंथ 50 एमएम के लिए।

निक्कॉर 70-200 एमएम का प्रयोग किया एएफ/2.8 फोकल लेंथ 85एमएम, 105 एमएम, 135 एमएम व 200 एमएम के लिए।

सारी तस्वीरें बिना एडिटिंग व क्रॉपिंग के हैं।

यह हैं नतीजे

क्लोज अप पोट्रेट

फोकल लेंथ बदल कर चेहरे के बदलाव की असली चेहरे से तुलना करें और बदलाव देखें।

फील्ड की डेप्थ में भी बदलाव देखें। जितना चौड़ा फोकल लेंथ होगा उतनी ही ज्यादा फील्ड की डेप्थ। तीसरा बदलावा है कंप्रेशन का अनुपात (बैकग्राउंड व सब्जेक्ट के बीच की दूरी)

जितनी अधिक फोकल लेंथ होगी, उतना ही ज्यादा कंप्रेशन होगा।

16एमएमः

Fig.1-16एमएम

जैसा कि आप देख सकते हैं कि गड़बड़ी साफ दिख रही है। यह पोट्रेट फोटोग्राफर्स के लिए सही फोकल लेंथ नहीं है।

24एमएमः

यह 24एमएम है, फिर भी स्वीकार्य नहीं है।

Fig.2-24एमएम

35एमएमः

Fig.3-35एमएम

अब कुछ बेहतर लग रहा है। फिर भी बेस्ट पोट्रेट नहीं है।

50एमएमः

Fig.4-50एमएम

हाँ, अब ठीक है। 50एमएम पर हमें सही नतीजे दिखने शुरू हो गए हैं।

85एमएमः

Fig.5-85एमएम

50 एमएम से अधिक रखने पर चीजें बेहतर दिखने लगती हैं। यह 85एमएम का नतीजा काफी अच्छा है।

105एमएमः

Fig.6-105एमएम

85एमएम से अधिक कुछ भी हो उसे टेलीफोटो लेंस कहा जाता है। यह सब्जेक्ट को विकृत करने के बजाए उसे कंप्रेस करते हैं। तो जब आप 85एमएम से 105 एमएम या उससे अधिक पर मूव करेंगे तो इमेज वाकई कंप्रेस होगी।

135एमएमः

Fig.7-135एमएम

200एमएमः

Fig.8-200एमएम

ध्यान दीजिए कि 135एमएम और 200 एमएम के बीच बहुत अधिक फर्क नहीं है। कुछ फोटोग्राफर्स कंप्रेशन के लिए 100एमएम से 200 एमएम फोकल लेंथ पसंद करते हैं, यह उन परिस्थितियों के लिए जरूरी है जहाँ सब्जेक्ट की नाक अधिक लंबी हो।

यह कहा जा सकता है कि पोट्रेट शूट करने के लिए 85एमएम से अधिक फोकल लेंथ उम्दा है। **(Fig-8A देखें)**

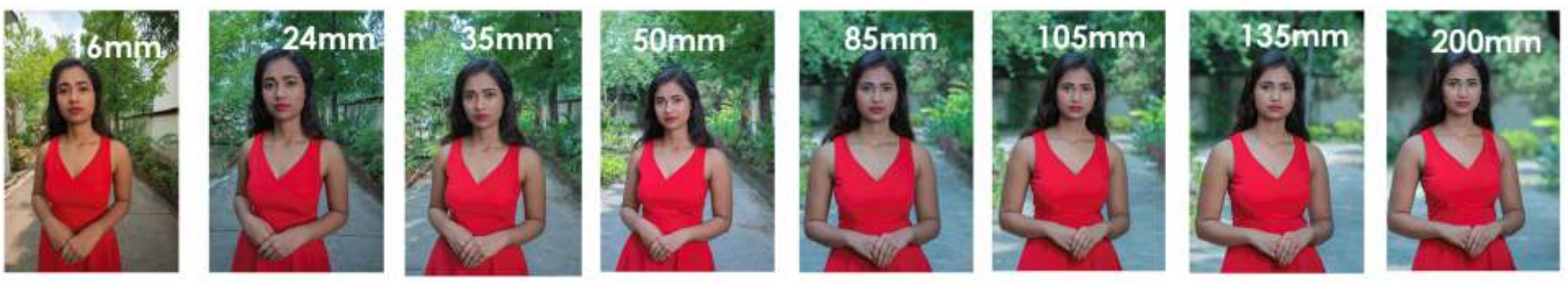

Fig-8A

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2019 से 5 अगस्त 2019

इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप मोरोक्को के राजा की तस्वीर ले रहे हैं या मारकेश के किसी बाजार में एक मजदूर की। एक फोटोग्राफर को हर हाल में हर किसी से प्रेम से पेश आना चाहिए। - अल्बर्ट वाटसन

फुल लेंथ पोट्रेट-

फोकल लेंथ बदलकर कर विकृति में बदलाव पर गौर कीजिए।

फुल लेंथ पोट्रेट में फील्ड की गहराई और कंप्रेशन का प्रभाव आसानी से दिखता है। अब आप फील्ड की गहराई में बदलाव अच्छे से देख सकते हैं।

फोकल लेंथ जितना वाइड होगा उतनी ही अधिक गहराई फील्ड की होगी। तीसरा बदलाव देखना होगा कंप्रेशन अनुपात का। (बैकग्राउंड व सब्जेक्ट के बीच की दूरी) जितना अधिक फोकल लेंथ होगी उतना ही ज्यादा कंप्रेशन।

16एमएमः

Fig.9-16एमएम

24एमएमः

Fig.10-24एमएम

35एमएमः

यहाँ फील्ड की गहराई कम होने लगती है और कंप्रेशन सामान्य हो जाता है।

Fig.11-35एमएम

50एमएमः

Fig.12-50एमएम

यह सामान्य पोट्रेट है, कोई विकृति नहीं है। फील्ड की गहराई व कंप्रेशन सामान्य है।

85एमएमः

Fig.13-85एमएम

85एमएम से कंप्रेशन दिखना शुरू हो जाता है और फील्ड की गहराई कम हो जाती है।

105 एमएमः

Fig.14-105 एमएम

135 एमएमः

Fig.15-135 एमएम

200 एमएमः

Fig.16-200 एमएम

यहाँ फील्ड की गहराई कम है और कंप्रेशन अधिक। फोकल लेंथ 135 व अधिक आकर्षक लगती है और कम गहराई वाली पोट्रेट के लिए उचित है। **(Fig-16A देखें)**

चौडे एंगल के लेंस (छोटे फोकल लेंथ) में पोट्रेट नजदीक से लिया जाना चाहिए (बराबर फील्ड के आकार के लिए)।

वाइड एंगल लेंस या फिशआई लेंस आर्टिस्टिक इफेक्ट के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए। खासतौर पर विकृत इमेज लाने के लिए। वहीं दूसरी ओर, दूर से इस्तेमाल होने के कारण लंबे फोकल लेंथ से सपाट तस्वीरें प्राप्त होती हैं।

इससे कम्यूनिकेशन कठिन हो जाता है और मेल कम हो जाता है।

यह फैशन फोटोग्राफी में इस्तेमाल हो सकता है। लंबी दूरी में मॉडल व असिस्टेंस से बात करने के लिए लाउडस्पीकर या वॉकी टॉकी की जरूरत पड़ती है।

निष्कर्ष- चाहे क्लोज अप हो या फुल लेंथ, पोट्रेट के लिए 50 एमएम से ऊपर कोई भी फोकल लेंथ अच्छी है। फिर भी यदि रचनात्मकता से प्रयोग किया जाए तो फैशन पोट्रेट के लिए 10एमएम से 35एमएम तक वाइड फोकल लेंथ सर्वश्रेष्ठ हैं। मैं आपको वाइड एंगल और फिश आई एंगल के कुछ रचनात्मक उदाहरण देता हूं-

टोकिना 10-17 एमएम फिश आई लेंस द्वारा कैप्चर की गईं इमेज-

Fig.17-17 एमएम

Fig.18-17एमएम

निक्कॉर 16-35 एमएम वाइड एंगल लेंस द्वारा कैप्चर की गईं इमेज-

Fig.19-27 एमएम

Fig.20-19 एमएम

अंततः यह आप पर निर्भर है कि आप किस प्रकार किसी फोकल लेंथ पर लेंस का प्रयोग करते हैं।

Fig- 17-17 एमएम

Fig- 18-17 एमएम

Fig- 19-27 एमएम

Fig- 20-19 एमएम

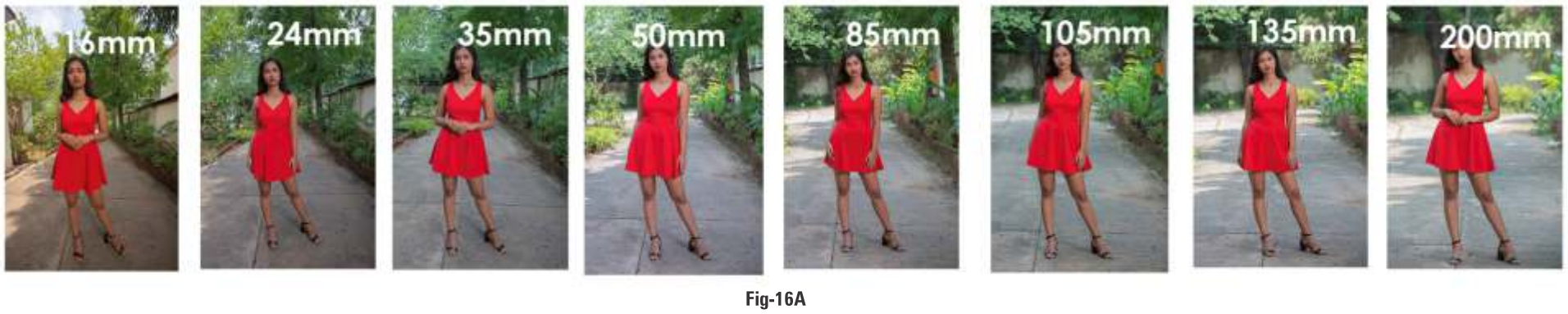

Fig-16A

सीनकटर

फोटोग्राफी का इतिहास है रवि कपूर का कैमरा संग्रह

त्रिलोचन एस. कालरा
सम्पादकीय सलाहकार 'स्टूडियो न्यूज' एवं एमिटी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर व वरिष्ठ फोटो पत्रकार

फोटोग्राफी के जन्म के बाद अलग-अलग समय पर हुए अविष्कारों का इतिहास जितना लम्बा है। उससे बड़ा इतिहास फोटोग्राफी के लिए बने कैमरों के मॉडल्स का है। तीसरा इतिहास विविध प्रकार की फिल्मों व उनके फॉर्मेट, फोटो प्रिंटिंग पेपर और केमिकल प्रोसेस तकनीक का है। जब ब्लैक एंड वाइट व कलर फिल्म फोटोग्राफी रूखसत हुई, तो उसकी जगह डिजिटल फोटोग्राफी ने ले ली। वो एनालॉग फोटोग्राफी (पुराने फ़िल्म कैमरे, प्रोसेसिंग प्रिंटिंग) जो कभी फोटोग्राफी की शान थे, चलन से बाहर होकर अल्मारियों में धूल खाने लगे या नक्खास में पुराने सामान की दुकानों में बिकने लगे। लखनऊ में बिकते इन कैमरों पर शौक़ीन फोटोग्राफर रवि कपूर की जैसे-जैसे नज़र पड़ती गयी, वे पुराने कैमरों को खरीद कर संग्रह करते गए। पुराने एंटीक कैमरा कलेक्शन के लिए जिन दो लोगों को देश में जाना जाता हैं। उनमे एक तो मुंबई के श्री दिलीश पारीख हैं जिन्हें चार हज़ार से ज्यादा एंटीक कैमरा कलेक्शन के लिए गिनीज़ बुक्स ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में देखा जा सकता है और दूसरे दिल्ली के आदित्य आर्य हैं। ये अपने तीन हज़ार कैमरों के विशाल संग्रह के लिए जाने जाते हैं। पुराने कैमरों के संग्रह के सन्दर्भ में यदि उत्तर प्रदेश की बात करें तो लखनऊ की दो अजीम हस्तियों का नाम सामने आते है। जिनके पास पुराने कैमरों का अच्छा संग्रह है। इनमें एक तो स्वर्गीय प्रोफेसर पीसी लिटिल साहब का है। दूसरा नाम लखनऊ के ही वरिष्ठ फोटो आर्टिस्ट व यशभारती से सम्मानित श्री रवि कपूर का आता है। रवि कपूर कई फोटोग्राफी आधारित पुस्तकों के लिए फोटोग्राफी कर चुके हैं। इन पुस्तकों में "लखनऊ तब और अब", "लखनऊ राजभवन उत्तर प्रदेश", "रज़ा लाइब्रेरी रामपुर", "इलाहाबाद म्यूजियम", "आईटी कॉलेज के 125 वर्ष", "विधान सभा के 125 वर्ष" और उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा लिखित पुस्तक "चरैवेति-चरैवेति" में भी फोटोग्राफी चित्रण कर चुके हैं। इनके संग्रह में ब्लैक एंड वाइट दौर के कैमरों को देखते ही सुनहरे दौर का इतिहास सजीव हो उठता है। वर्ष 1978 से क्लिक थ्री और आईसोली कैमरे से फोटोग्राफी कर रहे रवि कपूर के इस अनूठे संग्रह का आरम्भ उनके गुरू स्वर्गीय टी. एन. जेटली द्वारा उन्हें भेंट किये गए एक कास्ट आयरन से बने कोडक कैमरे से हुआ था। ये कैमरा उनके संग्रह में अब भी चालू हालत में है। ये कैमरा संग्रह रवि ने इस यक़ीन से शुरू किया था कि ये एक दिन फोटोग्राफी का इतिहास जरूर बनेगा। लेकिन एक हज़ार कैमरों, लेंसों, स्लाइड प्रोजेक्टर, प्रिंटिंग इनलार्जर्स इत्यादि का संग्रह इतनी जल्दी इतिहास बना देगा ये सोचा नहीं था। रवि कपूर के कलेक्शन में नायाब आकार वाले 50 वर्ष से लगभग 134 साल पुराने एक हज़ार कैमरों का सबसे बड़ा कलेक्शन है। इनमे 60 बॉक्स कैमरा, 25 रेंज फाइंडर, दर्ज़न भर फोल्डिंग कैमरा, 2 क्लिक थ्री, 50 टीएलआर, पॉइंट एंड शूट, एस एल आर, कॉम्पैक्ट और माचिस के आकार वाले कैमरों के साथ सिगरेट जलाने की सुविधा युक्त छोटे किन्तु विस्मयकारी लाइटर कैमरा संग्रहीत किया जा चुके हैं। इनमें लेन्सेस की विभिन्न किस्में, वर्ल्ड वॉर के दौर के प्रसिद्ध, कैमरों के साथ विश्वविख्यात कोडक कंपनी के ऐतिहासिक व सीमित संख्या में बने कैमरे भी शामिल हैं। जिन्होंने ये कैमरे नहीं देखे उन्हें कपूर साहब का संग्रह जरूर देखना चाहिए। यहाँ हर आकार-प्रकार के कैमरे और लेन्सेस, फ़िल्म रोल कैसेट दर्शनीय हैं। कुछ संग्रह तो उन्हें उन लोगों से भेंट में मिले कैमरों से बना जिनके घरों में ये कैमरे प्रयोग में नहीं आ रहे थे। वैसे तो रवि का सारा संग्रह अनमोल हैं। लेकिन कुछ कैमरे अपने आकार, वजन और दुर्लभतम श्रेणी के कारण संग्रहकर्ता रवि की ख़ास पसंद बने गए। इनमें वर्षों पहले बना एक अनूठा स्लाइड प्रोजेक्टर "लेक्चर लैनटैन" भी शामिल है। तो क्रमवार जानिए इन खास कैमरों के बारे में ...

पहला कैमरा - यह 133 साल पुराना हैं। इसे फोटोग्राफी कैमरे, उपकरण व केमिकल बनाने वाली विश्व प्रसिद्ध कोडक कंपनी ने 1886 में बनाया। इसे श्रीमती सुधा हंसराज ने रवि को उनके संग्रह के लिए भेंट किया था। वुडेन (लकड़ी) के स्ट्रक्चर पर बने इस बॉक्स में कैमरा तो भीतर बंद रहता है। बाहर सिर्फ लेंस और शटर बटन दिखते हैं। इसमें कोई व्यू फाइंडर नहीं है। बल्कि इस कैमरे से वर्टीकल और हॉरिजॉन्टल फोटो कम्पोजीशन और शूट के लिए सावधानी रखनी पड़ती थी। इसे कैसे पकड़कर फोटो लेनी है। इसके लिए कंपनी ने एक निर्देश पुस्तिका दी है। इसके मुखपृष्ठ पर कैमरे को हैंडल करने के लिए स्कैच (रेखाचित्र) भी बनाया है। ताकि इसे देख कर लोग आसानी से फोटो ले सकें। इसमें फिल्म लगाने और रिवाइंड बटन और डिस्टेंस के लिहाज से फोकसिंग डिस्टेंस घटाने-बढ़ाने की सुविधा है। कैमरे में पोस्टकार्ड साइज की फिल्म प्रयोग होती थी, इसे भी कोडक कंपनी ही बनाती थी। कोडक का एक सूत्रवाक्य था। "We provide films for all the camera ever manufacture by us"

दूसरा कैमरा - सेकंड वर्ल्ड वार के समय "MADE IN OCCUPIED JAPAN" में बना था। इस कैमरे पर लिखा "MADE IN OCCUPIED JAPAN" बताता है कि जापान पर तब हुकूमत औरों की थी। तब इसे Mamiya कंपनी ने बनाया था। Mamiya के बारे में फोटोग्राफर्स की धारणा रही है कि ये कंपनी बड़े कैमरे ही बनाती आयी है। लेकिन इस कैमरा मॉडल को देख ये धारणा टूटती है। Mamiya ने छोटे कैमरे भी अच्छे बनाये थे। यह रेंज फाइंडर कैमरा कहलाता है इसमें 120 एम.एम. की फिल्म लगती थी। इसका लेंस ब्लैक कलर की बेलो से जुड़ा होता है। लेंस खुलने पर कैमरे का आकार बड़ा और बंद होने से छोटा हो जाता है। इस दुर्लभतम कैमरे का मॉडल जल्दी देखने को नहीं मिलता जो इस संग्रह में है।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2019 से 5 अगस्त 2019

मेरे विचार में फोटोग्राफी रात में चुपचाप, दबे पाँव रसोई में जाकर ओरियो कुकी खाने के समान है। - डायना अर्बुस

तीसरा कैमरा - जिसे इस कैमरे के निर्माण के सौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 1888 में कोडक ने इस मॉडल की अनुकृति (REPLICA-हमशक्ल) जैसा बनाया था। कोडक कंपनी फोटोग्राफी को प्रोत्साहन देने के लिए एक स्लोगन लिखती थी "YOU PRESS THE BUTTON AND WE DO THE REST" यानि आप सिर्फ कैमरे का बटन दबाइये और बाकी काम हम पर छोड़ दीजिये। इस कैमरे में एक्सपोज़र सेटिंग के लिए एक निर्देश पत्र भी आता था ताकि एक से सौ एक्सपोज़र तक खींची फोटो में कहाँ, कब, क्या, क्लिक किया था इसका रिकॉर्ड लिखा जा सकें। कैमरे में सही लाइट में, सही एक्सपोज़र लगाने जैसे आसान फीचर थे। सौ फोटो शूट करने के लिए फिल्म कैमरे में पहले से प्रीलोड होकर आती थी। फोटो खींचने के बाद इसे वापस कोडक को डाक से भेजा जाता था। कंपनी इसके प्रिंट बनाकर फिर अगली सौ फोटो के लिए फिल्म लोड कर वापस भेज देती थी। रवि कपूर मानते है कि इस कैमरे के चलन ने फोटोग्राफी को जन-जन तक पहुंचा दिया था।

चौथा कैमरा - स्टिकी कैमव्यू लगभग 60 साल से ज्यादा पुराना है। आकार में बहुत छोटा है। इसमें 16 एम.एम. की फिल्म लगती थी। शटर बटन दबाने पर इसकी रेशमी आवाज़ "खिच्चीक" आज भी सुनी जा सकती है। इसमें शूटिंग के लिए जरूरी एक्सपोज़र फीचर दिए गए हैं। रवि को नक्खास में पुराने सामान के बाजार में जब ये कैमरा बिकता दिखा तो पचास रूपये में खरीदा और संग्रह में सजा दिया। 16 एम.एम. के फ़िल्म नेगेटिव के आकार की अपनी सीमायें हैं। लिहाज़ा इनसे ली गयी तस्वीरें पोस्टकार्ड साइज तक ही बेहतर बन पाती थी। इसका आकर्षक आकार दर्शाता है कि HERO GO PRO नन्हा डिजिटल कैमरा आज भले ही फोटोग्राफर्स को पसंद आ रहा हो। लेकिन सौ साल पहले भी ऐसे मोहक आकार वाले कैमरे शौक़ीन फोटोग्राफर्स की पसंद बन चुके थे।

पांचवां कैमरा - MAMIYA द्वारा बनाया गया। ये नन्हा कैमरा भी मशीनी मैकेनिज़्म का सर्वोत्कृष्ट नमूना है। इसमें वो सारे फीचर मौजूद हैं जो एक बड़े प्रोफेशनल कैमरे में होते हैं। उस वक़्त भी MAMIYA कैमरा कंपनी ने इसमें 1:2.8 अपर्चर दिया था। जो आज प्राइम लेंसों में दिखता है। इसमें फोकस के लिए डिस्टेंस मेजरमेंट स्केल सेटिंग, एक्सटर्नल फ़्लैश लगाने की सुविधा, एक्सपोज़र मीटर और 25 एम.एम. की फिक्स फोकल लेंथ के साथ आता था। मजबूत कैमरा बॉडी और छोटे आकार ने इसे उस दौर के बेहतर पॉइंट एंड शूट कैमरों में से एक बना दिया था। इसमें भी 16 एमएम की फिल्म लगती थी।

सातवां कैमरा - इसे जापान की MINI MAX कंपनी ने बनाया था इसमें 16 एमएम की फिल्म लगती थी। सिर्फ इसका छोटा आकार ही इसकी खासियत नहीं थी। वर्टीकल आकार में बने इस ख़ास कैमरे के मध्य में कैमरा लेंस है, तो नीचे की तरफ सिगरेट जलाने के लिए लाइटर भी है। इससे स्पष्ट होता है कि ट्रेवल के दौरान जेब में समा जाने वाला ये सुविधाजनक पॉइंट एंड शूट कैमरा शौक़ीन फोटोग्राफर्स की पसंद जरूर बना रहा होगा। क्योंकि फोटो खींचने के साथ सिगरेट जलाने की सुविधा इस कैमरे के प्रति आकर्षण बढ़ाती है।

आठवां होराइजन 202 कैमरा - 180 डिग्री के कोण की तस्वीरें ले पाने में सक्षम है। इसे HORIZON कंपनी ने बनाया था और ये अभी भी काम करता है।

लेक्चर लैनटैन 9 - ये एक बहुत ख़ास प्राचीन स्लाइड प्रोजेक्टर है। इसे लेक्चर लैनटैन कहा जाता था। इसके साथ एक बुक भी उपलब्ध है। जिसमें सन 1901 के बाद बने कैमरों का जिक्र है। इस छोटी बुक को 1918 में किसी ने किसी को भेंट किया था। कुछ-कुछ ट्रेन इंजन जैसे दिखने वाले इस 4 बिट स्लाइड प्रोजेक्टर को "लेक्चर लैनटैन" आयल लैंप कहा जाता है। ये केरोसिन (मिटटी के तेल) से चलता था। ऊपर स्लाइड लगायी जाती थी और भीतर लैंप जलता था। धुवां निकलने के लिए बेस प्लेट में बहुत छिद्र दिए गए हैं। यह उस दौर का अनूठा स्लाइड प्रोजेक्टर है। उस वक़्त 34 रूपये का साधारण और बढ़िया मॉडल 62 रूपये का आता था। इस लैनटैन लैंप की रौशनी लेंस द्वारा फिल्म स्लाइड सफ़ेद परदे या दीवार पर प्रतिबिम्बित कर दिखाई जाती थी।

रवि के संग्रह को बढ़ाने के लिए कैमरा देने वाले लोगों में रवि के प्रथम गुरू श्री टीपी जेटली जी, पुराने मित्र श्री कुक्कू दादा, श्री कौशलेन्द्र सिंह, राजासाहब शोहरतगढ़ श्री डीपी सिंह, प्रोफेसर देविका नाग, श्रीमती सुधा हंसराज के अलावा अकेडमी ऑफ़ आर्ट यूनिवर्सिटी सेनफ्रांसिस्को से मास्टर्स ऑफ़ फाइन आर्ट्स इन फोटोग्राफी की शिक्षा ग्रहण कर लौटे रवि कपूर के बेटे कुशल कपूर ने भी संग्रह में काफी योगदान दिया। कुशल खुद भी अच्छे फोटोग्राफर हैं और पिता के इस विशाल संग्रह को संभाल रहे हैं। विदेश से कुशल ने बहुत से पुराने कैमरे लाकर पिता के संग्रह में इज़ाफ़ा किया है।

रवि कपूर कहते हैं कि लोग उन्हें पुराने कैमरे संग्रह में शामिल करने के लिए दे जाते हैं। हालत अब ये हो गयी है कि लोग उन्हें कैमरे इसलिए भी दे जाते हैं ताकि इनकी देखभाल अच्छी हो जाए। रवि के इस संग्रह को "कैमरों का वृद्धाश्रम" कहा जाए तो गलत नहीं होगा। बकौल रवि, संग्रह में आने वाले कैमरों को साफ़ रखना, इस काम के लिए समय निकालना बहुत मुश्किल हो जाता है। दूसरी समस्या इनकी मरम्मत करने वाले अच्छे मेकेनिक भी अब नहीं मिलते। यह भी जरूरी नहीं कि संग्रह में आने वाले सभी कैमरे सही सलामत और चलती हुई हालत में आएं। अगर मिल भी जाये तो उनमें कोई चीज़ आधी अधूरी हो तो पूरा करना भी मुश्किल होता है। बस इसलिए संभाल रहे हैं क्योंकि ये फोटोग्राफी इतिहास का अमूल्य अंश हैं।

वैसे पुरानी चीज़ों को संग्रह करना भी एक विचित्र शौक है। किसी को पुराने नोट, सिक्के, डाक टिकट जमा करने का शौक होता है। ऐसा संग्रह करने वाले न तो बैंक से जुड़े होते हैं, न डाक विभाग से बस इन्हें शौक होता है। लेकिन कोई ऐसा शौकीन संग्रहकर्ता जो पेशे से भी फोटोग्राफर हो और यदि संग्रह भी फोटोग्राफी से जुड़ा हो तो संग्रह दर्शनीय बन जाता है। हरियाणा सरकार तो संभवतः दिल्ली के आदित्य आर्य को एक बेहतर संग्रहालय बनाने के लिए सहयोग दे रही है। अगर लखनऊ में भी ऐसा सरकारी प्रयास हो, तो फोटोग्राफी का ये इतिहास जन-जन तक पहुंचेगा। हालांकि रवि कपूर स्वयं एक बेहतर कैमरा म्युज़ियम बनाना चाहते हैं। अभी उन्होंने अपने स्टूडियो और वर्क प्लेस में इन्हें अलग-अलग शेल्फ में करीने से सजाया हुआ है। यहाँ 120 एमएम, 127 एमएम, 16, 35, 110 एमएम की रोल फ़िल्म और पोस्टकार्ड व 8×10 साइज की फ़िल्म और कट फिल्म फॉर्मेट वाले, कोडक, बॉक्स, रेंज फाइंडर, मिनी कैमरा, याशिका, मिनोल्टा, फूजी, रोलिकोर्ड, रोलीफ्लेक्स, ऑटोग्राफिक कोडक, ममिया, कोरोना, कोडक रिफ्लेक्स, आग्फा, प्रेक्टिका, पोलरॉइड, क्लिक थर्ड, आईसोली, ग्राफ्लेक्स, ब्राउनी, लईका, इंस्टमेटिक, होराइजन, जैसे सैकड़ों कैमरे देखने को मिलेंगे। आइये कुछ पल गुजारिये रवि फोटोग्राफिक्स कपूरथला लखनऊ के इस अनूठे म्यूज़ियम में और खो जाइये गुजरे दौर के कैमरा और लेंसों की दुनिया में।

छठवां कैमरा - जो नन्हा सा है। दिखता एक एसएलआर जैसा है। लेकिन ये पुराने दौर के "क्लिक थर्ड" कैमरा जैसा ही काम करता है। इसे CORONA कंपनी ने बनाया था। इसका आकार एक माचिस की डिबिया के बराबर है। फोटो शूट से पहले सब्जेक्ट निहारने के लिए मेटल बॉडी में बने इस कैमरे में एक वेस्ट लेवल और एक आई लेवल व्यू फाइंडर दिया गया था। वजन और आकार के लिहाज़ से ये नन्हा कैमरा भी संग्रह की शान है।

फोटोग्राफी से सम्बन्धित डाक टिकट

मनहर शाह
Hon FIP, Hon FSAP

जैसा कि हम सभी को पता है कि 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1839 में इसी दिन लूइस जैक्स मॉन्ड डॉगर ने फोटोग्राफिक प्रोसेस इजाद किया था। यह फ्रेंच एकेडमी ऑफ साइंस एंड आर्ट्स द्वारा लोगों को समर्पित की गई थी।

फ्रेंच सरकार ने लुइस डॉगर से कॉपी राइट खरीदे और इसके बाद डॉगर के फोटोग्राफिक प्रोसेस को हर कोई इस्तेमाल कर सकता था।

भारतीयों के लिए यह गर्व की बात है कि महान पिक्टोरियलिस्ट डॉ. ओ.पी. शर्मा ने 1991 में यह विचार दिया कि 19 अगस्त को बतौर विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाना चाहिए। इस विचार का स्वागत पूरे विश्व ने किया और तब से यह दिन मशहूर हो गया।

1996 में इंडिया पोस्ट ने एक स्पेशल फर्स्ट डे कवर निकाला जिसमें इंडियन पिक्टोरियल फोटोग्राफी के फादर कहे जाने वाले जे.एन. नुरैला की तस्वीर थी। यह उनके जन्मदिवस की 100वीं वर्षगांठ पर उन्हें याद करने के लिए था।

11 नवंबर 2006 में दोबारा इंडिया पोस्ट ने स्मरण के लिए स्टैंप निकाला। यह मशहूर भारतीय फोटोग्राफर लाला दीन दयाल (1844-1905) की याद में था। यह बेहद गर्व वाली बात है कि इंडियन स्टैंप पर फीचर होने वाले वह इकलौते फोटोग्राफर थे।

Stamps Courtesy : Udayan Shankar Pal

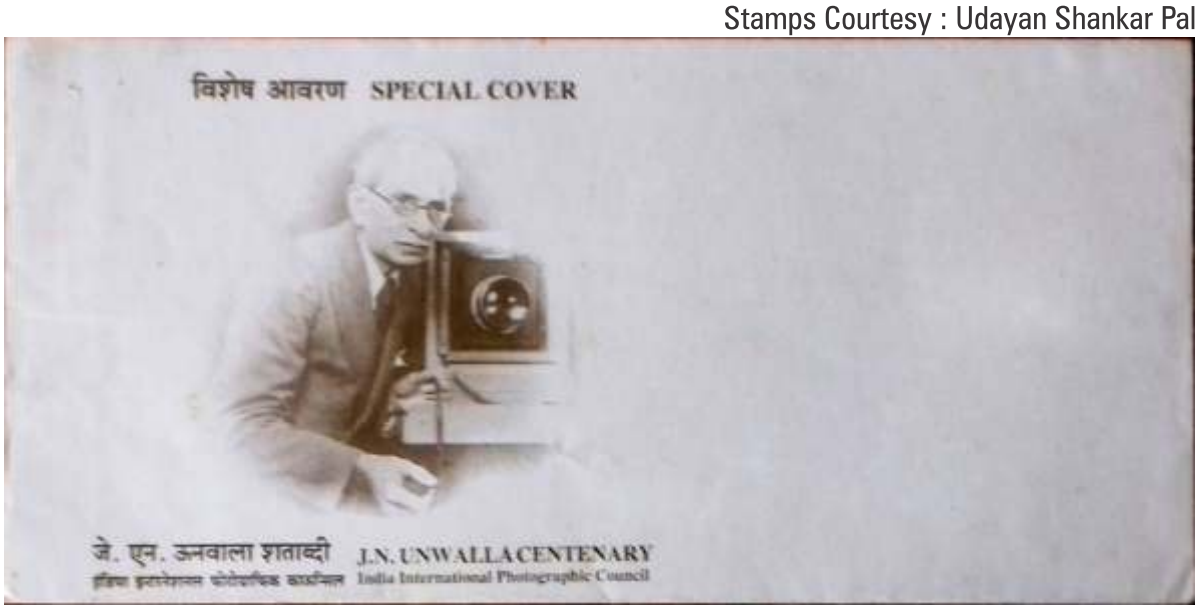

भारत

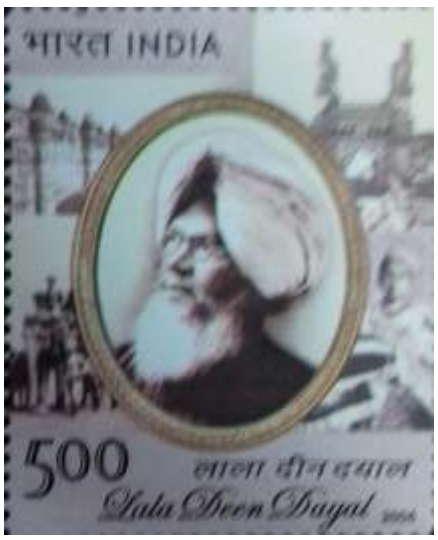

भारत

चीन

कनाडा

आस्ट्रेलिया

फिनलैण्ड

रूस

सुरीनाम

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2019 से 5 अगस्त 2019

प्रकाश फोटोग्राफी का मूल तत्व है। प्रकाश का आलिंगन कीजिये। उससे प्रेम कीजिये। प्रकाश को जानिये। प्रकाश को भली-भांति समझ जाना फोटोग्राफी को समझने की कुंजी है। - जॉर्ज ईस्टमैन

स्मार्टफोन फोटोग्राफी लिख रही है सफलता की नई कहानी

इंस्ट्रूमेंट से ज्यादा महत्वपूर्ण है उसका उपयुक्त इस्तेमाल

स्मार्टफोन फोटोग्राफी को पॉपुलर बनाने के लिए काम कर रहे वरिष्ठ छायाकार **अतुल हुंडू** बता रहे हैं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फोन फोटोग्राफी की बढ़ती लोकप्रियता के बारे में।

यह कहा जाता है कि मोबाइल फ़ोन ऐसा कैमरा है जो हमेशा पॉकेट में रहता है। लेकिन आज एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस मल्टी कैमरा फ़ोन आपकी जेब में मौजूद कम्पलीट कैमरा बैग है जिसमें एक सोफेस्टिकेटेड कैमरा बॉडी के साथ वाइड एंगल और टेली लेंस भी मौजूद है। यह कहना है नेशनल जियोग्राफिक के वर्ल्ड फेमस फोटोग्राफर एंडी बार्टन, कार्लटन वार्ड व क्रिस्टल राइट का, जिनके द्वारा लिए गए

नार्थ अमेरिकन के खूबसूरत लैंडस्केप को नेशनल जियोग्राफिक ने अपने जुलाई 2019 के इशू में कवर व अंदर के पन्नो में प्रकाशित किया है।

इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि नेशनल जियोग्राफिक जैसी प्रतिष्ठित मैगज़ीन ने मोबाइल से ली गई तस्वीर को पहले पेज पर छापा हो। इन तस्वीरों को वन-प्लस 7-प्रो से क्लिक किया गया है। नेशनल जियोग्राफिक के तीनो फोटोग्राफरों का कहना था कि वन-प्लस 7 की ऑप्टिकल ज़ूम रेंज व क्वालिटी बढ़िया है। अल्ट्रा वाइड एंगल के साथ 3× ऑप्टिकल ज़ूमिंग की सुविधा की वजह से उन्हें दूर और पास दोनों ही तरह के सब्जेक्ट कैप्चर करने में सुविधा हुई।

वन-प्लस कंपनी के अनुसार GQ मैगज़ीन में राज कुमार रॉव, हार्परस बाजार मैगज़ीन में हीरोइन जमीला जमील के फोटो व नेटफ्लिक्स के शो सेक्रेड गेम्स-2 के पोस्टर व बैक स्टेज वीडियो भी वन प्लस 7-प्रो से लिए गए थे। यह सब वन प्लस की अग्रेसिव मार्केटिंग तो थी लेकिन इन तस्वीरें की क्वालिटी ने यह बता दिया कि फ़ोन भी प्रोफेशनल क्वालिटी के रिजल्ट देने में सक्षम है। ऐसा पहले भी हो चुका है जब किसी मोबाइल ब्रांड का प्रयोग कमर्शियल शूट के लिए किया गया हो। साल 2014 में आईफोन 5 से बेंटले कार का ऐड शूट किया गया था जिसे आईपैड पर एडिट किया गया था।

आज के फ़ोन पुराने मॉडल्स से कहीं एडवांस हैं। शायद यही वजह है बहुत से फोटोग्राफी के शौकीनों का रूझान इस तरफ बढ़ा है। प्रोफेशनल भी कई बार फ़ोन से फोटो लेते दिख जाते हैं वहीं दूसरी तरफ नए शौकिया फोटोग्राफर भी फ़ोन कैमरे से बढ़िया काम कर रहे हैं। ऐसी ही एक फ़ोन फोटोग्राफर है इज़राइल की रहने वाली दीना अल्फ़ासी। जो फोटोग्राफी के लिए आईफोन का इस्तेमाल करती हैं। विशेषतः वह अपनी पोर्ट्रेट फोटोग्राफी के लिए जानी जाती हैं। उनके ज़्यादातर पोर्ट्रेट में नेचुरल सॉफ्ट लाइट का बेहतरीन इस्तेमाल दिखता

है और वह सब्जेक्ट के मूड को बेहतरीन तरीके से कैप्चर करती हैं। उनकी ज़्यादातर सब्जेक्ट ऑफिस जाते या आते समय ट्रेन, बस, सडकों आदि पर मौजूद लोग होते हैं। भावनाओ को पकड़ने में उन्हें महारत हासिल है। कई अंतरराष्ट्रीय स्तर की मोबाइल फोटोग्राफी प्रतियोगिताएं जैसे प्रतिष्ठित मोबाइल फोटोग्राफी अवार्ड्स (MPA), IIPA जैसी प्रतियोगिताएं की विजेता रही है। उनकी तस्वीर को आईफोन ने अपनी एडवरटाइजिंग कैंपेन के लिए भी प्रमुखता से इस्तेमाल किया था। उनके टीवी और मगज़ीनो में कई इंटरव्यू आ चुके हैं। दीना कहती है इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता की कौन सा कैमरा आप के हाथ में है यह बात ज़्यादा महत्वपूर्ण है कि किस तरह आप किसी मोमेंट को कैप्चर करते हैं। अगर मैं परफेक्ट मोमेंट में इमोशंस को कैद कर पाई तो मैं अपने आप को सक्सेसफुल मानती हूँ। उनके लिए फोटोग्राफी अपने विचारों की अभिव्यक्ति का तरीका है जिसमे तस्वीरें ही शब्द बन जाते हैं।

आफिस जाने के लिए वह रोज़ बस या ट्रेन में 2 घंटे का सफर करती हैं। शुरू में समय काटने के लिए अपने सह-यात्रियों के भावों को पढ़ने की कोशिश करती थीं। फिर एक दिन उन्होंने चुप-चाप यात्रियों के भावों को फ़ोन कैमरे से पकड़ना शुरू किया। परिणाम बहुत बढ़िया था। वो सब्जेक्ट के नेचुरल मूड को कैप्चर करने के लिए

सब्जेक्ट की चुपचाप तस्वीरें लेती हैं। फ़ोन इस काम को और आसान बना देता है। लोग उन्हें आकर्षित करते हैं और उनमे में से वो खास कैरेक्टर्स का तस्वीरों के लिए चुनाव कर लेती हैं। उनकी बीच पर ली गई कई तस्वीरें भी बेहतरीन हैं। बीच उनके ऑफिस के पास ही है। ऑफिस आते-जाते समय समुद्र तट पर वह थोड़ा सा समय फोटोग्राफी के लिए भी निकाल लेती हैं। उन्हें छोटे-छोटे मोमेंट्स आकर्षित करते हैं जिनमें कहानी होती है। उनका कहना है जो चीज़े मुझमें भावनाएं नहीं जगती उनकी तस्वीरें मैं नहीं लेती।

एक फोटो अलग-अलग इंसान में अलग-अलग भावनाएं जगा सकती है। मेरे लिए तस्वीरें शब्दों से ज़्यादा सशक्त माध्यम है। यह सभी बातें साबित करती हैं कि मोबाइल फोटोग्राफी का भविष्य सुनहरा है।

मेगा-पिक्सेल की लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए पिछले कुछ महीनो में लगभग सभी फ़ोन ब्रांड 48 मेगा पिक्सेल के फ़ोन बाजार में उतार चुके है। इस लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए चाइनीज़ कंपनी रियल-मी अपने नए 64 मेगा-पिक्सेल के कैमरा से लैस फ़ोन पर काम कर रही है। इसके प्रोटोटाइप से ली गई कुछ फोटो को कंपनी के सीईओ माधव सेठ ने जब सोशल मीडिया पर शेयर किया तो हर किसी का ध्यान इस पर गया। कंपनी के दावे के अनुसार रेडमी का यह फ़ोन दुनिया का पहला 64 मेगापिक्सेल का फोन हो सकता है। माधव ने ट्विटर पर लिखा है कि यह फ़ोन सैमसंग के 64 मेगापिक्सेल के सेंसर से लैस है जिसका पिक्सेल साइज 1.6μm है। इसका कैमरा कम रौशनी में भी बेहतरीन तस्वीरें लेने में सक्षम है। टेक्स्ट के साथ शेयर किये फोटो पर दिख रहे वॉटरमार्क से पता चलता है कि फोन "एआई-पावर्ड" क्वाड कैमरा के साथ लांच हो सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फ़ोन सैमसंग के नए 64 मेगापिक्सेल आइसोसेल ब्राइट GW1 इमेज सेंसर का इस्तेमाल 4-इन-1 पिक्सेल तकनीक के साथ करेगा, जिसमें चार 0.8 माइक्रोन पिक्सल को एक सिंगल 1.6-माइक्रोन पिक्सल में मर्ज किया जा सकेगा ताकि लो लाइट सेटिंग्स में 16 मेगापिक्सेल रेसोलुशन की बेहतर फोटो मिल सके। बढ़िया रोशनी मिलने की स्थिति में फ़ोन से 64 मेगापिक्सेल की फोटो ली जा सकेगी। इस घोषणा को रियल-मी की प्रतिस्पर्धी कंपनी शाओमी नोट 7 प्रो के जवाब के रूप में देखा जा रहा है, जो 48 मेगापिक्सेल कैमरा का पहला मिड-रेंज स्मार्टफोन है। कंपनी 5G स्मार्टफोन टेक्नोलॉजी पर भी काम कर रही है।

21 जून 2019 को हरदोई के होटल बसन्त लीला में कैनन द्वारा वीडियो कैमरों से सम्बंधित वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। वर्कशॉप का संचालन कैनन के विशेषज्ञ मेंटॉर अमित शर्मा ने किया। स्थानीय सहयोगी दीपक कपूर (जनता डिजिटल पॉइंट) रहे।

29 जून 2019 को यूपी फोटोग्राफर एसोसिएशन एवं बस्ती फोटोग्राफर एसोसिएशन के तत्वाधान में एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें यूपी फोटोग्राफर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश वर्मा एवं महामंत्री सुरेंद्र सिंह बिष्ट व मेंटोर विकास बाबू ने 70 फोटोग्राफर भाईयों को बेसिक से लेकर के कैंडिड सिनेमैटिक तक की जानकारी दी गई।

दिनांक 30 जून 2019 को कानपुर फोटोग्रफिक एसोसिएशन और निकॉन इंडिया के द्वारा आगामी वेडिंग सीजन को ध्यान में रखते हुए फोटोग्राफरों को वेडिंग फोटोग्राफी के दौरान आने वाली दिक्कतों को दूर करने के उद्देश्य से और वेडिंग फोटोग्राफी की नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए कानपुर में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कानपुर के करीब 65 वेडिंग फोटोग्राफर ने हिस्सा लिया। इस वर्कशॉप में उड़ीसा के प्रमुख वेडिंग फोटोग्राफर श्री आशुतोष साहू द्वारा फोटोग्राफरों को मिररलेस कैमरे की टेक्नोलॉजी, लाइट पेंटिंग और प्री वेडिंग फोटोग्राफी की जानकारी लाइव मॉडल की उपस्तिथि में दी गई। साथ ही कैमरों में आने वाले कुछ बेसिक फ़ीचर्स जिनके द्वारा फोटोग्राफर अपने काम को और अच्छा कर सकते थे कि जानकारी भी प्रदान की। शाम को श्री आशुतोष साहू जी ने शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल रा टेम्पल में फोटोग्राफरों को फ़्लैश को अच्छे से कैसे इस्तेमाल किया जाए इसकी जानकारी भी प्रदान की।

इस कार्यक्रम की सफलता के लिए निकोन इंडिया की तरफ से श्री सच्चिदानंद यादव, धर्मेंद्र गोस्वामी और एसोसिएशन की तरफ से श्री विष्णु नारायण दीक्षित, संदीप निगम और सौरभ मिश्र ने प्रमुख रूप से कार्य किये जिनके फलस्वरूप फोटोग्राफरों ने इस कार्यक्रम को अत्यंत सराहा।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2019 से 5 अगस्त 2019

काफी लोगों को यह एहसास नहीं होता कि शौकिया फोटोग्राफरों के लिए फोटोग्राफी एक मजेदार अनुभव हो सकता है पर एक पेशेवर फोटोग्राफर के लिए फोटोग्राफी काफी मेहनतकश काम सिद्ध हो सकती है। - एडवर्ड वेस्टन

खुश रहे तू सदा ....

बड़ी सफलता पाने के लिए खुद को क्या करना पड़ेगा? इसी फलसफे को बताता आनन्द कृष्ण लाल का आलेख

आज बात करेंगे खुश रहने की। दुनिया में आखिर कौन ऐसा व्यक्ति है जो खुश नहीं रहना चाहता? हर कोइ चाहता है कि दिन भर वो खुश रहे और दुःख या परेशानी उसे छू भी न जाये। सभी लोग कोशिश करते हैं जीवन में खुशियां लाने की लेकिन उन्हें यह नहीं पता होता की खुशियां कैसे और कहाँ से लायी जाएं। यहीं पर शायद वो इस बात को समझ नहीं पाते की अपने आस-पास के लोगों के जीवन में खुशियां लाना ही उनके अपने जीवन में भी खुशियां ला सकता है। आप अगर हर आस-पास के लोगों को जब भी देखें या आते-जाते अपरिचित लोगों को देखें तो उनके लिए खुशी की कामना करें। यानि की हर व्यक्ति के लिए ईश्वर से ये मनाएं की उसको खूब खुशियां मिलें और जब आपके ऐसा करने से आस-पास खुशी का माहौल हो जायेगा तो आप के लिए खुशियां बिन बुलाये ही आ जाएँगी। और इसके अलावा यदि आपके बस में कुछ हो और आप किसी को भी कुछ भी खुशी दे सकते हैं तो अवश्य दीजिये। किसी की ओर देखकर अच्छे मनोभाव के साथ मुस्कुरा देना भी किसी को खुशी दे सकता है और इसमें कोई खर्चा भी नहीं होता है। आप सोचिये कि एक आम आदमी को खुश होने के लिए क्या बेसिक चीज़ें चाहिए। आपका जवाब होगा "रोटी, कपड़ा और मकान"। दुनिया में बहुत से लोगों के पास पेट भर खाने को नहीं है, बहुत से लोगों को खाली पेट सोना पड़ता है। बहुत से लोगों के पास पहनने को कपड़े नहीं हैं और अनेक लोगों के पास रहने को घर भी नहीं है। कभी जब आप उनके बारे में सोचेंगे तो आपको लगेगा कि आप जो ज़िंदगी जी रहे हैं वो ऐसे व्यक्तियों की ड्रीम लाइफ है।

अब सवाल इस बात का है कि दुःख कैसे कम किये जाएं और खुशियां कैसे लायी जाएं। इसको एक उदाहरण से समझिये। जैसे की किसी कमरे में अगर अँधेरा हो और आपको वो अँधेरा दूर करना हो तो आप उस अँधेरे को वहां से हटाने का जितना भी प्रयास कर लें वो जायेगा नहीं। यदि आप वास्तव में अँधेरा हटाना चाहते हैं तो उस अँधेरे कमरे में उजाले का एक दीपक लेकर आयें आप देखेंगे की उजाला लाने से अँधेरा खुद ब खुद गायब हो जायेगा। इसी तरह से जीवन में आयी हुई परेशानी या दुःख को हटाना है तो जीवन में खुशी लाने की कोशिश करें आप देखेंगे की आपका दुःख खुद से गायब हो जायेगा।

कुछ लोग मान कर बैठ जाते हैं की जब कोई बड़ी खुशी उनके पास आएगी तो वो खुश हो लेंगे। इस मनःस्थिति में वो अपने जीवन में आने वाली छोटी-छोटी खुशियों को इग्नोर कर देते हैं और दुखी बने रहते हैं। आप केवल एक काम करें की सबको खुशियां बांटने का काम शुरू कर दें और दूसरों को भी ऐसी विचारधारा के लिए प्रेरित करें तो सच में जीवन में खुशियों का अम्बार लग जायेगा।

आइये आज एक किसान की खुशहाली की कहानी आप सबको बताते हैं ..... हुआ यूँ कि एक किसान बहुत ही अच्छी किस्म की फसल उगाता था। हर साल उसकी उगाई हुई फसल को राष्ट्रीय किसान मेले में पुरस्कृत किया जाता था और ये क्रम कई सालों तक चलता रहा। एक बार समाचार पत्रों के रिपोर्टर उसका इंटरव्यू करने पहुंच गए। उन्होंने उस किसान से पूछा कि हर बार आप इतनी अच्छी फसल उगाते हैं इसका राज़ बताएं। किसान उन सबको अपने खेतों पर ले गया। वहां आस-पास के किसानों से पूछने पर पता चला वो किसान हर साल अपने पडोसी खेत वाले किसानों को फसल की अच्छी किस्म का बीज फ्री बाँटता है।

सभी रिपोर्टर किसान के पास गये और उससे पूछा कि आप अपने आस-पास के सभी किसानों को अच्छी किस्म का बीज निःशुल्क क्यों बांटते हैं? इससे तो आपको बहुत खर्चा उठाना पड़ता होगा। किसान ने जवाब दिया, "क्या आप नहीं जानते? खेत में चलने वाली हवाओं से फसल के पराग कण उड़ कर आसपास के खेतों में फ़ैल जाते हैं। यदि मेरे सभी पड़ोसी बेकार प्रजाति कि फसल बोयेंगे तो हर साल उनकी फसल से उड़ कर आयें पराग कण मेरे खेतों में भी बिखरेंगे और क्रॉस पोलिनेशन के कारण हर साल मेरी फसल की गुणवत्ता निम्न स्टार की होती चली जाएगी। इसलिए अगर मैं अच्छी फसल उगाना चाहता हूँ तो मुझे मेरे पड़ोसियों को भी अच्छी फसल उगने में सहायता करनी होगी।

सही मायनों में देखें तो वास्तव में हमारे जीवन की असलियत भी कुछ इसी प्रकार की है। अगर हम अच्छा और खुशहाल जीवन जीना चाहते हैं तो हमें हमसे जुड़े सभी लोगों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए और उनकी सहायता करनी चाहिए। हमारे जीवन में खुशी और शांति का स्थायी वास तभी हो सकता है जब हमसे जुड़े हुए लोग भी खुश हाल हों।

स्टूडियो न्यूज

तिमाही फोटो प्रतियोगिता

फोटोग्राफी में अपना नाम और पहचान बनाने के साथ-साथ उपहार पाने और स्टूडियो न्यूज में प्रकाशित होने का मौका। उठाइये अपना कैमरा, रचनात्मक तस्वीरें खींचे और हमें भेजें।

नियम :
1. फोटो केवल डिजिटल रूप में भेजनी है। फाईल का फार्मेट JPEG होना चाहिए।
2. फोटो कलर या B/W कोई भी हो सकती है।
3. फोटो का साइज 8x10 इंच में एवं 300 dpi की होनी चाहिए।
4. फोटो के ऊपर कोई वाटर मार्क या नाम नहीं लिखा होना चाहिए।
5. कम्पटीशन में अधिकतम 2 फोटो ही भेज सकते हैं।
6. प्रतिभागी अपनी फोटो के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। किसी दूसरे की फोटो होने पर स्टूडियो न्यूज जिम्मेदार नहीं होगा।
7. फोटोग्राफर अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, पूरा पता एवं फोन नम्बर अवश्य भेजें अन्यथा उनकी फोटो प्रतियोगिता में शामिल नहीं की जायेगी।

फोटो infostudionewsup@gmail.com पर मेल करें।

प्रतियोगिता की अन्तिम तिथि
28 जुलाई 2019

निर्णायक दल

वरिष्ठ छायाकार
अनिल रिसाल सिंह

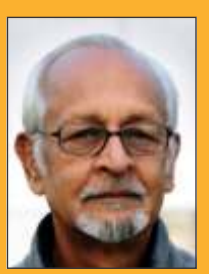

आर्ट्स कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल
जयकृष्ण अग्रवाल

Z 7 — 45.7 megapixels | 493 AF points^ | 8K time-lapse movie* | 25600 ISO

Body MRP: ₹ 2,30,450 **Body + Lens (24-70mm) f/4 S MRP: ₹ 2,71,450**

Z 6 — 24.5 megapixels | 12 FPS# | 4K UHD full-frame movie | 51200 ISO

Body MRP: ₹ 1,56,450 **Body + Lens (24-70mm) f/4 S MRP: ₹ 1,97,950**

Price quoted is for one unit of product. MRP inclusive of all taxes. | ^In FX format with single-point AF.
*8K time-lapse movie production requires third-party software | #When using 12-bit RAW | Premium SMS charges applicable |
Accessories shown above are only for reference & not provided with the product | ˇ32GB XQD card + Card reader with Z6, 64GB XQD card with Z7 |
Conditions apply: Get 1pc of "Battery EN-EL15B" MRP worth ₹4,250 on purchase of Z6, Z7 for more offers visit our website.

Included: **64GB XQD Cardˇ &**
Jealiot Runner Bag with both Z6 and Z7

And Choose Any One Offer:

ATOMOS Ninja V Monitor Recorder
~~₹ (76,700)~~ ₹ 45,990

OR

Zhiyun WEEBILL LAB Gimbal Creator Package ~~₹ (65,000)~~ ₹ 30,000

OR

Zhiyun WEEBILL LAB Gimbal
~~₹ (49,999)~~ ₹ 22,000

Corporate/Registered Office & Service Centre: **Nikon India Pvt. Ltd.,** Plot No.71, Sector 32, Institutional Area, Gurgaon-122001, Haryana, (CIN-U74999HR2007FTC036820).
Ph.: 0124 4688500, Fax: 0124 4688527, **Service Ph.:** 0124 4688514, **Service ID:** nindsupport@nikon.com, **Sales and Support ID:** nindsales@nikon.com

TO LOCATE DEALERS IN YOUR AREA ▶ SMS NIKON <PINCODE> to 58888 ▶ CALL TOLL FREE NO.: 1800-102-7346 ▶ VISIT OUR WEBSITE: www.nikon.co.in

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 0522-4108575, ई-मेलः infostudionewsup@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in